घरौंदा

मुदिता भण्डारी शान्ति निकेतन में पढ़ी एक संजीदा शिल्पकार हैं। वे इन्दौर में रह कर शिल्प गढ़ती हैं। चाँद-तारे, घर अकसर उनकी कलाकृतियों में आते रहते हैं। ऐसा ही उनका एक शिल्प है "ड्वेलिंग" यानी घरौंदा। हम इन्सानी दर्शकों ने तो उसे देखा और उसकी प्रशंसा की ही। गिलहरियों को भी वह इतना पसन्द आया कि वे उसमें रहने ही चली आईं।

हमारे घर का दरवाज़ा ज़रूर थोड़ा छोटा है...

लेकिन ऊपर जाने के लिए अलग रास्ता है

हाथ पकड़कर निकल आ

बई, तू भी आ जाना ऊपर

लगता है जैसे डिस्कवरी शटल पर सवार हैं

वैसे मुझे यह झरोखा पसन्द है

कुल मिलाकर मज़े हैं यहाँ!!!

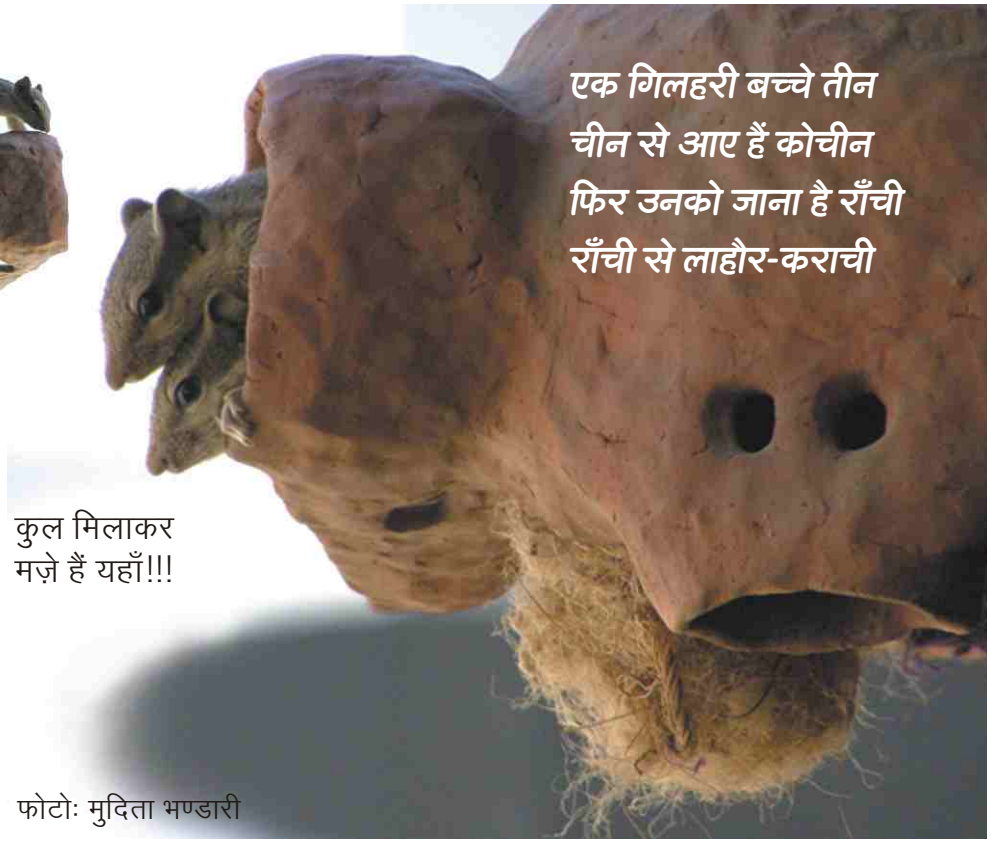

फोटोः मुदिता भण्डारी